an>

Title: Need to check air pollution to save environment.

श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान बहुत ही महत्वपूर्ण विÂषय की ओर आकृÂष्ट कराना चाहता हूं। भारत की आवोहवा वायु प्रदूÂाण के कारण इसके दूरगामी परिणाम की ओर आपका ध्यान आकृÂष्ट कराना चाहता हूं। घटते वन सम्पदा और बढ़ती आबादी के कारण उत्पन्न वायु प्रदूÂषण, आज देश की आवो हवा पर व्यापक असर डाल रहा है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा से लिए गए आंकड़ों के अनुसार ग्रीन पीस का दावा है कि बीते सदी में पहली बार चीन की तुलना में भारत की आवोहवा ज्यादा खराब हुई है। ग्रीनपीस की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के बीस सबसे प्रदूÂिात शहरों में तेरह शहर भारत के ही हैं।

अध्यक्ष महोदया, प्रदूÂषण का सीधा असर मानव जीवन, पशु, पक्षी और वनस्पति पर पड़ता है। भारत में आबोहवा की शुद्धता नापने के लिए फिलहाल केवल 39 निगरानी स्टेशन हैं, जबकि चीन में इनकी संख्या 1,500 है। वायु प्रदूÂषण के कारण गड्ढों और कुओं में जहरीली गैस बनती है। प्रदूषित जहरीली गैस के कण इन स्थानों पर जमे रहते हैं। मेरे लोक सभा क्षेत्र में लोग प्रदूषित जहरीली गैस का शिकार हो रहे हैं। वैसे तो अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन मेरे संसदीय क्षेत्र में मलपुर जन्नू गांव पड़ता है। वहां दिनांक 24 जुलाई, 2016 को ग्राम बिलारी की कुइया में प्रदूषित गैस के अधिक होने के कारण तीन मौतें हो गई। उस कुइया में जो नीचे जाता गया, उसकी मृत्यु होती गई।

महोदया, आपके माध्यम से मेरी सरकार से प्रार्थना है कि भारतीय आबोहवा को सही करने के लिए यथाशीघ्र ठोस कदम उठाए जाएं और इस हेतु नए-नए निगरानी स्टेशन बनाए जाएं। निगरानी प्रणाली और दीर्घकालिक नीतियों पर काम कर के मनुष्य के साथ-साथ पशु-पक्षियों और पौधों को बचाया जा सकता है। मेरी आपके माध्यम से एक और प्रार्थना है कि ग्राम बिलारी की कुइया में मरने वाले व्यक्तियों के परिवारों को अधिक से अधिक आर्थिक सहायता यथाशीघ्र प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को शीघ्र निर्देशित करने का कष्ट करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : मैं सर्वश्री भैरोंप्रसाद मिश्र, अजय मिश्रा टेनी, सुधीर गुप्ता, रोड़मल नागर, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल और डॉ. मनोज राजोरिया, को माननीय सदस्य, श्री सत्यपाल सिंह द्वारा उठाए गए विÂषय से सम्बद्ध करने की अनुमति प्रदान करती हूं।